विज्ञापन विवरण

बुनकर सेवा केंद्र, मेरठ हथकरघा विकास आयुक्त, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार का एक अधीनस्थ कार्यालय है जो हथकरघा क्षेत्र के समग्र विकास में लगा हुआ है। भारत पूरे देश में फैली असंख्य हथकरघा तकनीकों का देश है। सभी पारंपरिक शिल्पकार भागों के साथ-साथ तकनीक और प्रक्रिया को परिभाषित करने के लिए अपनी भाषा का उपयोग करते हैं, जो उस शिल्प की लंबी गहरी जड़ें वाली संस्कृति और परंपरा का उत्पाद है। हालाँकि, वस्त्र पाठ्यक्रम में कभी भी ऐसी पारंपरिक भाषाओं और भागों और तकनीकों/प्रक्रियाओं की स्थानीय शब्दावली को शामिल नहीं किया गया है, लेकिन इन तकनीकों और भागों को परिभाषित करने के लिए विदेशी भाषा (मुख्य रूप से अंग्रेजी) का अनुसरण किया जाता है। इसके कारण, जब किसी शिल्पकार को अपने क्षेत्र के बाहर किसी को अपनी कला के बारे में समझाना होता है, तो उसे अपने कौशल को समझाने के लिए इस भाषा का उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जो शिल्प को भी प्रभावित करता है। उस भाषा का ज्ञान न होने के कारण व्यक्ति को नुकसान होता है। यह एक बड़ी त्रासदी है कि शिल्पकार को न केवल विदेशियों को बल्कि मूल निवासियों को भी अपनी कला समझाने के लिए विदेशी भाषा सीखने के लिए मजबूर होना पड़ता है क्योंकि वस्त्र पाठ्यक्रम में भी विदेशी भाषा को प्राथमिकता दी जाती है।

भाषा न केवल हमारी संस्कृति और परंपरा के लिए गौरव का विषय है बल्कि यह विकास का एक साधन भी है, इसलिए हमारी शिल्प भाषा के संरक्षण के लिए कदम उठाने की तत्काल आवश्यकता है।

उपरोक्त सभी को ध्यान में रखते हुए, बुनकर सेवा केंद्र मेरठ ने हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय,वस्त्र मंत्रालय,भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित "हथकरघा शब्दावली दस्तावेज़ीकरण और पुनरुद्धार" परियोजना शुरू की है। परियोजना का उद्देश्य चार पारंपरिक जीआई उत्पाद अर्थात कोटा डोरिया साड़ी, बनारसी साड़ी, पश्मीना शॉल और कुल्लू शॉल की विभिन्न हथकरघा और संबंधित शिल्प की तकनीकों/उपकरणों को उनकी पारंपरिक भाषा में संकलित करना है।

उपरोक्त सन्दर्भ में बुनकर सेवा केंद्र मेरठ प्रमुख समाचार पत्रों में 12/01/2025 को विज्ञापन के माध्यम से इच्छुक और पात्र व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित करता है।

उल्लिखित नियमों और शर्तों के अनुसार पूरी तरह से अनुबंध के आधार पर विशेषज्ञों की आवश्यकताएं निम्नलिखित हैं

क) **2 महीने की अवधि के लिए** 1 **रिसर्च स्कॉलर प्रत्येक के लिए**

1) **शैक्षिक योग्यता**

किसी प्रतिष्ठित डिजाइन या शिल्प संस्थान/एनआईएफटी/एनआईडी/आईआईएचटी से स्नातक या स्नातकोत्तर**,** वस्त्र अनुसंधान संघों के अनुसंधान स्कॉलर

2) **आवश्यक अनुभव/आवश्यकता**

i) किसी भी शिल्प के दस्तावेजीकरण का अनुभव होना चाहिए। कॉलेज प्रोजेक्ट विचार के पात्र नहीं होंगे।

ii) संबंधित स्थानीय भाषा में पारंगत।

iii) उन आवेदनकर्ता को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्होंने आवेदन किए गए क्षेत्र से संभंधित कार्य किया हो।

iv) उसके पास अच्छी ध्वनि रिकॉर्डिंग डिवाइस के साथ अच्छी गुणवत्ता का व्यक्तिगत कैमरा होना चाहिए।

3) **मानदेय यात्रा**, **आवास और भोजन हेतु**

i) 50**,**000 रुपये प्रति माह का मानदेय जायेगा **।**

ii) यात्रा**,** आवास और बोर्डिंग 3**0,**000 रुपये प्रति माह की सीमा के भीतर प्रदान किया जायेगा **।**

4) **विस्तृत कार्य:-**

रिसर्च स्कॉलर को बुनकर सेवा केंद्र मेरठ के कार्यालय परिसर में सुविधाजनक समय पर पहले से ही प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में किए जाने वाले सभी आवश्यक कार्यों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। क्षेत्र में किए जाने वाले समयबद्ध कार्यों का विवरण उन्हें सौंप दिया जाएगा और उन्हें इसे समयबद्ध अवधि में जमा करना होगा। उन्हें बुनकर सेवा केंद्र**,** मेरठ में यात्रा**,** आवास और बोर्डिंग के बिल भुगतान हेतु जमा करने होंगे।

ख) **2 महीने की अवधि के लिए** 1 **इलस्ट्रेटर प्रत्येक के लिए**

1) **शैक्षिक योग्यता**

मान्यता प्राप्त डिजाइन या शिल्प संस्थान से चित्रण**,** ग्राफिक डिजाइन या संचार डिजाइन में स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री।

2) **आवश्यक अनुभव**

i) किसी भी शिल्प के दस्तावेजीकरण का अनुभव होना चाहिए। कॉलेज प्रोजेक्ट पर विचार के पात्र नहीं होंगे

ii) संबंधित स्थानीय भाषा में पारंगत

iii) उन लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्होंने पहले आवेदित क्षेत्र में इसी तरह का काम किया हो।

iv) उसके पास अच्छी गुणवत्ता का निजी कैमरा होना चाहिए।

3) **मानदेय**, **यात्रा**, **आवास और भोजन हेतु**

i) 50,000 रुपये प्रति माह का मानदेय जायेगा **।**

ii) यात्रा**,** आवास और बोर्डिंग 15,000 रुपये प्रति माह की सीमा के भीतर प्रदान किया जायेगा **।**

4) **विस्तृत कार्य:-**

इलस्ट्रेटर को बुनकर सेवा केंद्र मेरठ के कार्यालय परिसर में पहले से सुविधाजनक समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में किए जाने वाले सभी आवश्यक कार्यों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। क्षेत्र में किए जाने वाले समयबद्ध कार्यों का विवरण उन्हें सौंप दिया जाएगा और उन्हें इसे समयबद्ध अवधि में जमा करना होगा। उन्हें बुनकर सेवा केंद्र**,** मेरठ में यात्रा**,** आवास और बोर्डिंग के बिल भुगतान हेतु जमा करने होंगे।

ग) **स्थानीय दुभाषिया (हथकरघा बुनकर)**

1) **शैक्षिक योग्यता**

शून्य

2) **आवश्यक अनुभव**

वह अपने क्षेत्र में उल्लिखित उत्पादों का पारंपरिक हथकरघा बुनकर होना चाहिए। संत कबीर पुरस्कार विजेता/राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता/राज्य पुरस्कार विजेता को क्रमानुसार प्राथमिकता दी जाएगी। विवाद की स्थिति में पुरस्कार का वर्ष और आयु मानदंड होंगे।

3) **पारिश्रमिक**

10,000 रुपये प्रति माह पारिश्रमिक दिया जाएगा

4) **विस्तृत कार्य:-**

स्थानीय बुनकर को चयनित हथकरघा जीआई उत्पाद में संलग्न पारंपरिक बुनकर होने की आवश्यकता है। उसे उपकरण और सभी सहायक उपकरणों के पारंपरिक नाम स्थानीय भाषा में उच्चारण करने में सक्षम होना चाहिए। उसके पास दस्तावेज़ीकरण के उद्देश्य से पारंपरिक बुनाई उपकरण स्थापित होना चाहिए। उन्हें क्षेत्र में अपनी व्यस्तता के दौरान दो महीने के लिए अनुसंधान विद्वान और चित्रकार के लिए यह सेटअप मुक्त रखना होगा। उन्हें दो महीने के लिए अपने परिसर के दौरे के दौरान चित्रण और अनुसंधान विद्वान को हर संभव सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है।

इच्छुक उम्मीदवारों को केवल ऑनलाइन आवेदन करना होगा। संबंधित दस्तावेजों की स्कैन कॉपी **meerutwsc@gmail.com** पर 07/02/2025 को शाम 06:00 **PM** तक भेजना है **।** इसके बाद प्राप्त आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी ।

उप निदेशक

बुनकर सेवा केंद्र मेरठ